दैनिक
# न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

## आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शुक्रवार 28 जनवरी 2022 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-04, अंक- 121

## महत्वपूर्ण एवं खास

### गिरिडीह के पास रेलवे ट्रैक पर किया ब्लास्ट, कई ट्रेनें प्रभावित

» नक्सलियों का उत्पात

**गिरिडीह (आरएनएस)।** झारखंड के गिरिडीह जिले में नक्सलियों ने बुधवार की देर रात रेलवे ट्रैक पर ब्लास्ट किया। धनबाद रेलवे डिवीजन के पास चिचाकी और कर्माबाद रेलवे स्टेशन में तेज धमाका हुआ है। ब्लास्ट के कारण हावड़ा-गया-दिल्ली रेल मार्ग पर ट्रेनों के परिचालन को भी बंद कर दिया है। ब्लास्ट के बाद रेलवे की ओर से एहतियातन इस रुट से गुजरने वाली कई ट्रेनों का मार्ग बदल दिया गया है। वहीं, कई ट्रेनों के आवागमन को नियंत्रित किया गया है। बुधवार देर रात इस लाइन में ब्लास्ट हुआ। हालांकि, जो जानकारी मिली है उसके अनुसार हादसे में रेलवे ट्रैन को कोई खास नुक्सान नहीं पहुंचा है, लेकिन सुरक्षा के लिहाज के कई ट्रेनों का परिचालन इस रुट से रोक दिया गया है।

### कांग्रेस के पूर्व सांसद राकेश सचान सहित सपा के विधायक बीजेपी में हुए शामिल

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले नेताओं के दल बदलने का सिलसिला लगातार जारी है। भारतीय जनता पार्टी में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं का आने का नाम कम हो रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी में उत्तर प्रदेश के 3 बड़े चेहरे शामिल हो गए हैं जो कांग्रेस के पूर्व सांसद राकेश सचान और समाजवादी पार्टी के विधायक शरद वीर सिंह वही सपा नेता व पूर्व मंत्री शिव कांत ओझा ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। केंद्रीय मंत्री व उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी और उत्तर प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेई में इन तीनों नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भारतीय जनता पार्टी में तीनों नेताओं का स्वागत करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इससे भाजपा की स्थिति उत्तर प्रदेश में और भी ज्यादा मजबूत होगी। पूर्व सांसद राकेश सचान कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई में महासचिव वही उत्तर प्रदेश की फतेहपुर लोकसभा सीट से सांसद रहे सचिन ने 2019 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी छोड़ कर कांग्रेस का हाथ थाम लिया था। राकेश सचान ने कांग्रेस के टिकट पर फतेहपुर से लोकसभा चुनाव भी लड़ा था लेकिन भाजपा की साध्वी निरंजन ज्योति के हाथों हार का सामना करना पड़ा। वही शरद वीर सिंह उत्तर प्रदेश की जलालाबाद विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं पुणे बेड़ा पर समाजवादी पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया। शरद वीर सिंह समाजवादी पार्टी से इस्तीफा दे चुके हैं और जलालाबाद सीट से समाजवादी पार्टी ने नीरज मौर्य कुशवाहा को टिकट दिया है। शिवकांत ओझा कल्याण सिंह के मुख्यमंत्री रहने के दौरान राज्य सरकार में मंत्री थी। वह बाद में समाजवादी पार्टी की साइकिल पर सवार हो गए थे। वह पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं।

### कराची में पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प, एक की मौत

**कराची।** पाकिस्तान के कराची में स्थानीय महापौरों की शक्तियों को सीमित करने से जुड़े एक कानून का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों की बुधवार रात पुलिस से हिंसक झड़प हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि झड़प में एक प्रदर्शनकारी मारा गया, जबकि दर्जनों अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, कराची में जारी विरोध-प्रदर्शन उस वक्त हिंसक हो गया, जब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को सरकारी दफ्तरों की तरफ कूच करने से रोकने के लिए उन पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। राजनीतिक दलों ने पुलिस की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के नेताओं ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस की कार्रवाई में घायल पार्टी कार्यकर्ता मोहम्मद असलम की अस्पताल में मौत हो गई। एमक्यूएम के अनुसार, हिंसा में दर्जनों लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। कराची के प्रमुख राजनीतिक दलों में शुमार एमक्यूएम पाकिस्तान में इमरान खान के नेतृत्व वाली संघीय सरकार की सहयोगी है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, पार्टी ने प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया है।

# राष्ट्रीय नियामक ने दो कोविड-19 टीकों कोवैक्सिन और कोविशील्ड को सशर्त विपणन अधिकार को मंजूरी दी

**नईदिल्ली (आरएनएस)।** राष्ट्रीय नियामक, भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने गुरुवार को दो कोविड 19 टीकों कोवैक्सिन और कोविशील्ड को कुछ शर्तों के साथ विपणन अधिकार को मंजूरी दी है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) ने 19 जनवरी 2022 को वयस्क लोगों में शर्तों के साथ नई दवा की अनुमति देने के लिए आपातकालीन स्थितियों में प्रतिबंधित उपयोग से टीकों की स्थिति के उन्नयन (अपग्रेडेशन) की सिफारिश की थी।

डीसीजीआई द्वारा देश में दो कोविड-19 टीकों, कोवैक्सिन और कोविशील्ड का विपणन अधिकार निम्नलिखित शर्तों के अधीन है :-

कंपनी छह मासिक आधार पर या जब भी उपलब्ध हो या जो भी पहले हो उत्पाद के विदेशों में चल रहे नैदानिक परीक्षणों का डेटा उचित विश्लेषण के साथ पेश करेगी।

वैक्सीन को प्रोग्रामेटिक सेटिंग के लिए आपूर्ति की जाएगी और देश के भीतर किए गए सभी टीकाकरणों को कोविन प्लेटफॉर्म पर दर्ज किया जाएगा और टीकाकरण के बाद प्रतिकूल घटना [एईएफआई], विशेष रुचि की प्रतिकूल घटना [एईएसआई] की निगरानी जारी रहेगी। एनडीसीटी नियम 2019 के अनुसार जब भी उपलब्ध हो या जो भी पहले हो के तहत कंपनी छह मासिक आधार पर एईएफआई और एईएसआई सहित सुरक्षा डेटा को उचित विश्लेषण के साथ प्रस्तुत करेगी।

कोविड-19 के प्रबंधन में भारत सरकार द्वारा अपनाया गया सक्रिय और कुशल दृष्टिकोण उसकी रणनीति की विशिष्टता रही है। देश में दो कोविड-19 टीकों को सशर्त विपणन अधिकार के लिए डीसीजीआई द्वारा दी गई नवीनतम स्वीकृति उस मुस्तैदी और समयबद्धता को दर्शाती है जिसके साथ देश की सार्वजनिक प्रतिक्रिया रणनीति और निर्णय लेने वाले तंत्र ने महामारी के दौरान उभरती जरूरतों का जवाब दिया। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि वैश्विक कड़े नियामक प्राधिकरणों में से केवल यूनाइटेड स्टेट्स फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (यूएसएफडीए) यूके की मेडिसिन और हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स रेगुलेटरी एजेंसी (एमएचआरए) ने फाइजर और एस्ट्राजेनेका को क्रमशः उनके कोविड-19 टीकों के लिए सशर्त विपणन अधिकार प्रदान किया है।

सशर्त विपणन अधिकार विपणन अधिकार की एक नई श्रेणी है जो वर्तमान वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान सामने आई है। दवाओं या टीकों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए कुछ औषधियों (फार्मास्यूटिकल्स) तक पहुंच बढ़ाने के लिए इस क्रम के माध्यम से अनुमोदन मार्गों को कुछ शर्तों के साथ तेजी से ट्रैक किया जाता है।

भारत का राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम 16 जनवरी 2021 को शुरू किया गया था। आज तक 160 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं। केंद्र सरकार पूरे देश में कोविड-19 टीकाकरण की गति को तेज करने और इसके दायरे का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है। 3 जनवरी 2022 से शुरू हुए राष्ट्रीय कोविड-19 टीकाकरण अभियान में नई श्रेणियों को जोड़ा गया है।

## सरकार ने संसद के बजट सत्र की कार्यवाही सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए 31 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई

**नईदिल्ली (आरएनएस)।** सरकार ने संसद के बजट सत्र की कार्यवाही सुचारू रूप से सुनिश्चित करने के लिए इस महीने की 31 तारीख को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह बैठक बुलाई है। कोविड महामारी की स्थिति को देखते हुए बैठक का

आयोजन वर्चुअल माध्यम से किया जाएगा। दोनों सदनों में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं को बैठक में आमंत्रित किया गया है।

संसदीय कार्यमंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि बजट सत्र का पहला चरण 31 जनवरी को शुरू हो रहा है। राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द सवेरे ग्यारह बजे दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारामन पहली फरवरी को बजट पेश करेंगी। श्री जोशी ने यह भी बताया कि कोविड से बचाव के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए दोनों सदनों की बैठक अलग-अलग पारियों में होगी। राज्यसभा की बैठक सुबह दस बजे से दोपहर बाद तीन बजे तक और लोकसभा की बैठक शाम चार बजे से रात नौ बजे तक होगी। महामारी की वजह से 31 जनवरी से ग्यारह फरवरी तक लोकसभा की बैठकों के दौरान दोनों सदनों के चैम्बरों और दीर्घाओं का इस्तेमाल सदस्यों के बैठने के लिए किया जाएगा।

राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान केन्द्रीय कक्ष, लोकसभा और राज्यसभा के चैम्बरों और उनकी दीर्घाओं में सदस्यों के बैठने की व्यवस्था की गई है। बजट सत्र का पहला चरण अगले महीने की 11 तारीख तक जारी रहेगा। महीने भर के अवकाश के बाद दूसरा चरण 14 मार्च को शुरू होगा और आठ अप्रैल तक चलेगा।

## एयर इंडिया का रणनीतिक विनिवेश पूरा हुआ

**नईदिल्ली (आरएनएस)।** एयर इंडिया का रणनीतिक विनिवेश लेनदेन आज पूरा हो गया है, जिसके तहत सरकार को रणनीतिक भागीदार (मेसर्स टैलेस प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) से 2,700 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं, जिसके पास एयर इंडिया और एआईएक्सएल का 15,300 रुपये का ऋण भी है और एयर इंडिया के शेयरों (एयर इंडिया और इसकी सहायक एआईएक्सएल के 100 प्रतिशत शेयर तथा एआईएसएटीएस के 50 प्रतिशत शेयर) को रणनीतिक भागीदार को हस्तांतरण किया जाना शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया के रणनीतिक विनिवेश के लिए मैसर्स टैलेस प्राइवेट लिमिटेड की उच्चतम मूल्य बोली को सरकार की मंजूरी के बाद; 11 अक्टूबर, 2021 को विजेता बोली लगाने वाली कंपनी को आशय पत्र जारी किया गया था। शेयर खरीद समझौता (एसपीए) पर 25 अक्टूबर, 2021 को हस्ताक्षर किए गए थे। इसके बाद, रणनीतिक साझेदार (मेसर्स टैलेस प्राइवेट लिमिटेड), एयर इंडिया और सरकार ने एसपीए में परिभाषित शर्तों की एक श्रेणी को संतुष्ट करने की दिशा में काम किया, जिनमें शामिल हैं प्रतिस्पर्धा (एंटी-ट्रस्ट) निकायों, नियामकों, ऋणदाताओं, तृतीय पक्ष, आदि से मंजूरी प्राप्त करना। इन शर्तों को आपसी संतुष्टि के आधार पर पूरा किया गया है।

## पश्चिमी नौसेना कमान ने संयुक्त समुद्री अभ्यास 'पश्चिम लहर' का आयोजन किया

**नईदिल्ली (आरएनएस)।** भारतीय नौसेना द्वारा पश्चिमी तट पर आयोजित एक संयुक्त समुद्री अभ्यास 'पश्चिम लहर (एक्सपीएल-2022)' 25 जनवरी को संपन्न हुआ।

यह अभ्यास 20 दिनों की अवधि तक चला और इसका आयोजन पश्चिमी नौसेना कमान की परिचालन संबंधी योजनाओं को सुदृढ़ करने और भारतीय नौसेना, भारतीय वायुसेना, भारतीय थल सेना एवं तटरक्षक बल के बीच अंतर-सेवा तालमेल बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था।

यह अभ्यास पश्चिमी नौसेना कमान के एफओसी-इन-सी के तत्वावधान में आयोजित किया गया था।

इस इंट्रा-थिएटर अभ्यास में भारतीय नौसेना के 40 से अधिक जहाजों और पनडुब्बियों की संलग्नता और भागीदारी हुई।

इसके अलावा, भारतीय नौसेना के समुद्री टोही विमान पी8आई, डोर्नियर्स, आईएल 38 एसडी, मानव रहित हवाई प्रणाली और मिग-29के युद्धक विमान (स्ट्राइक एयरक्राफ्ट) के साथ - साथ भारतीय वायुसेना ने एसयू 30 एमकेआई एवं जगुआर समुद्री युद्धक विमान (मेरीटाइम स्ट्राइक एयरक्राफ्ट), हवा में ईंधन भरने वाले विमान (फ्लाइट रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट) और अवाक्स को तैनात किया। इस अभ्यास में एयर डिफेन्स बैटरी सहित भारतीय थल सेना के विभिन्न अंगों को भी शामिल किया गया था। एक लंबे अंतराल के बाद, तटरक्षक बल के कई ओपीवी, एफपीवी और एयर कुशन वेसल्स ने भी अभ्यास 'पश्चिम लहर' में भाग लिया।

विभिन्न सेटिंग्स के तहत परिचालन संबंधी मिशनों एवं दायित्वों के सत्यापन के अलावा, इस अभ्यास के दौरान एक यथार्थवादी सामरिक परिदृश्य में विभिन्न प्रकार के हथियारों से फायरिंग की गई।

इस अभ्यास ने भाग लेने वाले सभी बलों को इस कमान के दायित्व वाले क्षेत्रों में समसामयिक समुद्री चुनौतियों का जवाब देने के लिए यथार्थवादी परिस्थितियों में एक साथ मिलकर काम करने का अवसर प्रदान किया।

## रायबरेली में जहरीली शराब पीने से 10 की मौत, 45 बीमार

» महराजगंज के पहाड़पुर में हुई घटना, आबकारी अधिकारी समेत छह निलंबित

**रायबरेली (आरएनएस)।** विधानसभा चुनाव के मतदान से पहले ही जहरीली शराब ने हाहाकार मचा दिया है। महराजगंज के ग्राम पहाड़पुर में आयोजित एक समारोह में देशी ठेका से खरीदी गई विंडीज ब्रांड की जहरीली शराब पीने से दस लोगों की मौत हो गई वहीं 45 लोग जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। घटना से लखनऊ तक में हड़कंप मचा हुआ है। कमिश्नर और आईजी ने घटनास्थल का दौरा किया तथा ग्रामीणों से बात की। वहीं अपर मुख्य सचिव आबकारी ने जिला आबकारी अधिकारी, इंस्पेक्टर और कांस्टेबल को तथा एसपी ने महराजगंज कोतवाली प्रभारी, थुलवासा चौकी इंचार्ज सहित छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है।

महराजगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पहाड़पुर में गांव निवासी रामधनी के नाती का बीती सोमवार रात निघासन का कार्यक्रम था। इस दौरान समारोह में खासी भीड़ एकत्र हुई थी और नजदीक के ठेके से विंडीज ब्रांड की देशी शराब खरीद कर पी गई थी। सोमवार रात को किसी को कोई तकलीफ नहीं हुई लेकिन मंगलवार रात को शराब पीने वालों की तबियत बिगड़ना शुरू हो गई। हालत बिगड़ते ही घरों में कोहराम मच गया। बीमार लोगों को महराजगंज सीएचसी लाया गया लेकिन मंगलवार रात ही पूरे छत्ता गांव मजरे पहाड़पुर निवासी वंशीलाल (60 वर्ष) पुत्र द्वारिका, सुखरानी (65 वर्ष) पत्नी रामधनी,

सरोज यादव (40 वर्ष) पुत्र रामप्यारे, राम सुमेर पुत्र (48 वर्ष), जितेंद्र (35 वर्ष) पहाड़पुर की मौत हो गई। मौके पर पहुंचे जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव व एसपी ने जांच पड़ताल की तथा बीमार लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराए जाने के निर्देश दिए। जहरीली शराब का कहर इस तरह बरपा कि बुधवार को चंद्र पाल (32 वर्ष) पुत्र बलऊ पहाड़पुर, रामबाबू (45 वर्ष) निवासी थुलवासा, बचई (43 वर्ष) पुत्र दुजई लोधवामऊ, कल्लू (48 वर्ष) पुत्र बुधइ बहादुरनगर ने भी दम तोड़ दिया। जहरीली शराब के तांडव की खबर लखनऊ पहुंचते ही आलाधिकारी हरकत में आ गए। कमिश्नर लखनऊ रंजन कुमार और आईजी लक्ष्मी सिंह मौके पर पहुंची तथा जांच पड़ताल कर घटना के बाबत ग्रामीणों से जानकारी हासिल की। कमिश्नर लखनऊ रंजन कुमार ने बताया कि वेंडीज ब्रांड की शराब पीने से घटना हुई है, जिसके सैंपल की जांच कराई जा रही है। साथ ही डीएम को अनदेखी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ रिपोर्ट देने को कहा गया है। आईजी लक्ष्मी सिंह ने बताया कि शराब ठेके के अनुज्ञापी धीरेंद्र सिंह और सेल्समैन राम प्रताप के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है वहीं इनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। डीजीपी मुकुल गोयल ने उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए हैं।

## दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू और ऑड-ईवन हटाया गया, स्कूल- कॉलेज रहेंगे बंद

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** राजधानी दिल्ली में कोरोनावायरस के नए वेरिएंट ओमीक्रोन की वजह से दिल्ली में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ी जिसके वजह से दिल्ली की सरकार व केंद्र कर्फ्यू लगाने को मजबूर हो गए। दिल्ली में संक्रमित लोगों की संख्या में कमी आने की वजह से वीकेंड कर्फ्यू और दुकानों पर लगे ऑड इवन नियम को भी हटा दिया गया है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की हुई बैठक में यह फैसला किया गया। बैठक के बाद विज्ञान कर्फ्यू को खत्म किया गया लेकिन नाइट कर्फ्यू अभी भी जारी रहेगा। डी डी एम ए की बैठक में इसके साथ ही शादी समारोह पर भी पाबंदी कम की गई है और अधिकतम 200 मेहमानों के शामिल होने की अनुमति दी गई है। हालाकी समारोह स्थल पर अधिकतम 200 या क्षमता के 50 प्रतिशत लोग ही शामिल हो सकेंगे। बैठक में रेस्टोरेंट बाढ़ और सिनेमा हॉल के भी खोलने की अनुमति दी गई हालांकि बारिश टोरेंट और सिनेमा हॉल में 50 प्रतिशत क्षमता की ही अनुमति दी गई है।

डीडीएमए की बैठक में दिल्ली के सरकारी ऑफिस 50 प्रतिशत क्षमता के साथ खोलने का फैसला किया गया है और इसके अलावा एजुकेशन इंस्टिट्यूट और स्कूल अभी भी बंद रहेंगे स्कूलों को खोलने पर फैसला अगली बैठक में किया जा सकता है।

# दिल्ली की 75 अलग-अलग जगहों पर 115 फ़ीट की तिरंगा लहराएगा

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** आज़ादी के 75वें साल में आज से दिल्ली की 75 अलग-अलग जगहों पर 115 फ़ीट की ऊंचाई से हमारा अमर तिरंगा शान से लहराएगा। हम आजादी का 75वां साल मना रहे हैं और उसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली के 75 जगहों पर 115 फीट ऊंचाई पर तिरंगे लगाए गए हैं। हमारा मकसद है कि दिल्ली में कोई भी अपने घर से बाहर निकले तो, उसे दो-तीन बार तिरंगा जरूर दिखाई दे। जितनी बार हम तिरंगे को देखते हैं, हमारे अंदर देशभक्ति की भावना जागती है। शायद पूरी दुनिया में दिल्ली अकेला शहर है, जहां पर इतने बड़े स्तर पर 115 फीट ऊंचे राष्ट्र ध्वज लगाए जा रहे हैं। अगर ऐसा हुआ, तो

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दिल्ली का नाम दर्ज होगा। मैं उम्मीद करता हूं कि हमारा तिरंगा हमेशा ऊंचा व लहराता रहे और इसी तरह से हमारा देश तरक्की करता रहे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज तिमारपुर में ध्वजारोहण के दौरान यह बातें कहीं। इस दौरान सभी विधायकों ने भी अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन और स्थानीय विधायक दिलीप पांडे समेत अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। पूरा देश आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर जश्न मना रहा है। इसी के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर 75 विशाल राष्ट्रीय ध्वज लगाया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज तिमारपुर क्रॉसिंग, रिंग रोड पर रिमोट दबाकर ध्वजारोहण किया। साथ ही, सभी विधायकों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में ध्वजारोहण किया। इससे पहले, सीएम अरविंद केजरीवाल कार्यक्रम स्थल पर सुबह 11 बजे पहुंचे और सर्व प्रथम उन्हें होमगार्ड द्वारा जनरल सलामी दी गई। इसके बाद सीएम अरविंद केजरीवाल को परेड कमांडर किरण पाल के नेतृत्व में सम्मान गारद ने सलामी दी। इसके बाद राष्ट्रीय सलामी दी गई और राष्ट्रगान गाया गया। इस दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन और स्थानीय विधायक दिलीप पांडे समेत कई वरिष्ठ अधिकारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे। इससे पहले दिल्ली के अलग-अलग स्थानों पर 5 राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहा है और आज से 75 तिरंग और लहराएंगे। इस तरह अब दिल्ली के विभिन्न इलाकों में 80 राष्ट्रीय ध्वज 115 फीट की उंचाई पर लहराएंगे। इन 75 विशाल तिरंगों में से 25 का रिमोट से ध्वजारोहण किया गया, जबकि 50 जगहों पर हाथ से ध्वजारोहण हुआ। इस दौरान सभी मानदंडों का कड़ाई से पालन किया गया। राष्ट्रीय ध्वज को रौशन रखने के लिए खम्भे पर रात के समय बिजली की निर्बाध आपूर्ति की जाएगी। दिल्ली सरकार के 'देशभक्ति बजट' के तहत आने वाले दिनों में विभिन्न स्थानों पर 500 राष्ट्रीय ध्वज और लगाए जाएंगे। इस अवसर पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज पूरे देश के लिए बेहद गर्व का दिन है। देश की राजधानी दिल्ली में आज 75 जगहो पर 115 फीट उंचे तिरंगे लगाए गए हैं। हम आजादी का 75वां साल मना रहे हैं। उसी को ध्यान में रखते हुए आज दिल्ली के 75 जगहों पर 115 फीट उंचे तिरंगे लगाए गए हैं। हमारा मकसद है कि पूरी दिल्ली में 500 जगहों पर यह तिरंगे लगाए जाएंगे। हमारा लक्ष्य 26 जनवरी तक 500 तिरंगे लगाने का था, लेकिन प्रदूषण और कोरोना समेत कई कारणों की वजह से कंस्ट्रक्शन पर प्रतिबंध लग गया था। लेकिन अगले कुछ महीनों के अंदर 500 जगहों पर ये तिरंगे लगा दिए जाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारा मकसद है कि दिल्ली में कोई भी अपने घर से बाहर निकले और दफ्तर के लिए जाए, तो उसे दिन में दो-तीन बार तिरंगा जरूर दिखाई दे।